

# आजाद सिपाही



रांची  
रविवार, वर्ष 09, अंक 292

**FLORENCE GROUP OF INSTITUTIONS**  
(A Unit of 'Hajj Abdul Razzaque Educational Society')

**ADMISSION OPEN**

**COLLEGE OF NURSING**  
2 YEARS  
2 YEARS  
2 YEARS  
2 YEARS  
2 YEARS  
2 YEARS  
2 YEARS

**M.Sc. Nursing**  
**Post Basic B. Sc. Nursing**  
**B.Sc. Nursing**  
**GNM** (General Nursing And Midwifery)  
**ANM** (Auxiliary Nursing And Midwifery)

**COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE**  
2 YEARS  
2 YEARS  
2 YEARS  
2 YEARS  
2 YEARS

**BMLT**  
**DMLT**  
**OT ASSISTANT**  
**ECG**  
**OPHTHALMIC ASST.**  
**CRITICAL CARE (ICU)**  
**RADIO-IMAGING**  
**ANESTHESIA TECH.**  
**DRESSERS**

**COLLEGE OF PHARMACY**  
2 YEARS  
2 YEARS

**D-PHARM**  
**B-PHRRM**

Separate Hostel For Boys & Girls  
9031231082, 7903999411, 6205145470  
E-mail: fsi@fiba@gmail.com  
Website: www.florenceinstitra.com

## न्यूज रील

### हिंडनबर्ग बोला, भारत में जल्द कुछ बड़ा होनेवाला है

नयी दिल्ली। अमेरिकी शॉर्ट-सेलिंग फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने कहा कि भारत में जल्द कुछ बड़ा होनेवाला है। एक साल पहले अडाणी ग्रुप पर मनी लांड्रिंग से लेकर शेयर मैनिपुलेशन तक के आरोप लगाने के बाद अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हिंडनबर्ग रिसर्च ने यह बात लिखी है। इस पोस्ट के जरिये हिंडनबर्ग ने किसी नये खुलासे के बारे में संकेत दिया है। हालांकि उसने किसी भी कंपनी का नाम नहीं लिया है।

### मुठभेड़ में दो जवान शहीद, तीन घायल

**जम्मू-कश्मीर (आजाद सिपाही)।** अनंतनाग में शनिवार, 10 अगस्त को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में 2 जवान शहीद हो गये। 3 अन्य जवान जख्मी हैं। एनकाउंटर दोपहर 2 बजे से जारी है। माना जा रहा है कि आतंकी छोड़ से अनंतनाग के इलाके में घुसे थे। ऑपरेशन जिले के केकेरनाग टाउन में चल रहा है।

### भाजपा की 23 अगस्त को आक्रोश रैली

### झारखंड में आदिवासियों की नहीं, घुसपैठियों की सरकार चल रही : हिमंता विस्वा सरमा

आजाद सिपाही संवाददाता रांची। असम के मुख्यमंत्री सह भाजपा के झारखंड सह-चुनाव प्रभारी हिमंता विस्वा सरमा ने कहा कि राज्य में आदिवासियों की नहीं, घुसपैठियों की सरकार चल रही है। इतना झूठ बोलनेवाला मुख्यमंत्री कहीं नहीं है। ऐसा लगता है हेमंत सोरेन रात को सपना देखते हैं और सुबह में वादा कर देते हैं। जनता जानना चाहती है कि हेमंत सोरेन सच कब बोलते हैं। सरमा शनिवार को रांची में भाजपा की बैठक में बोल रहे थे।

भारतीय जनता युवा मोर्चा ने 23 अगस्त को आक्रोश रैली का आयोजन किया है। इसकी तैयारी को लेकर शनिवार को रांची के कार्निवाल बैंकवेट हॉल में पार्टी द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया था। बैठक में विस्वा सरमा के अलावा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, प्रतिपक्ष के नेता अमर कुमार बाउरी समेत अन्य नेताओं ने युवा आक्रोश रैली को लेकर कार्यकर्ताओं में जोश भरा। विस्वा सरमा ने कहा कि हेमंत सोरेन न वादा निभाते हैं, न जनता से माफी मांगते हैं। मुख्यमंत्री का बोलने का तरीका डेमोक्रेटिक नहीं है। ऐसी सरकार अगर आगे चली, तो राज्य के युवाओं का कोई भविष्य नहीं बचेगा। सरमा ने हेमंत सरकार को मुख्यमंत्री मईयें योजना, कृषि ऋण माफी योजना आदि को लेकर कुत्थरे में खड़ा किया। उन्होंने घुसपैठियों के कारण राज्य की डेमोग्राफी बदलने की चर्चा की।

## विश्व आदिवासी महोत्सव के समापन पर सीएम ने की घोषणा

# सरकार कलाकारों के लिए पॉलिसी बनायेगी : हेमंत

- समापन पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन
- जन्मदिन की बधाई से गूंगा पंडाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची के विरसा मुंडा स्मृति उद्यान में आयोजित दो दिवसीय विश्व आदिवासी महोत्सव शनिवार को समापन हो गया। समापन कार्यक्रम में लगा जैसे रांची में मिनी भारत उतर आया हो। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मंत्री हफीजुल हसन, विधायक कल्पना सोरेन समेत अन्य गणमान्य लोगों ने शिरकत की। हेमंत सोरेन जैसे ही मंच पर पहुंचे भीड़ से जन्मदिन की बधाई की आवाज आने लगी। जिसके बाद उन्होंने सभी लोगों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि देश के कोने-कोने से आये विभिन्न कला के कलाकारों का इस आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया और जताया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि सरकार करारों के लिए एक पॉलिसी लेकर आयेगी। जिससे उन्हें आगे बढ़ने का पूरा मौका मिल सकेगा। कलाकार देश और दुनिया में अपने हुनर दिखा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने राज्य के कलाकार झारखंड की कला-संस्कृति को संरक्षित करने का कार्य कर रहे हैं। यहां के कलाकारों को आने वाले दिनों में एक बेहतर नीति और कार्यक्रमों का बनकर आगे बढ़ाने का काम सरकार करेगी। ताकि झारखंड के कलाकार देश और दुनिया में अपने हुनर का प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन कर सकें।



### गीत-नृत्य झारखंड की कला-संस्कृति का अहम हिस्सा

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समय बारिश का मौसम है। खेत-खलिहान से जुड़े लोगों के मन में भी उत्साह है और सामाजिक सरोकार रखने वाले लोगों के मन में भी उत्साह है। झारखंड आदिवासी बहुल राज्य है। यहां के आदिवासी समाज के लोग यहां की कला-संस्कृति को संरक्षित करने का काम करते हैं। राज्य की समृद्ध कला-संस्कृति का सीधा जुड़ाव प्राकृतिक से भी है। गीत-नृत्य यहां की कला-संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो अनवरत चलता रहता है। इसी कड़ी में विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर आयोजित झारखंड आदिवासी महोत्सव में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम किये जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई चुनौतियों का सामना करते हुए आदिवासी समाज के लोग अपनी कला-संस्कृति, रहन-सहन और समृद्ध आदिवासितय को बचाने के लिए जद्दोजहद में लगे हैं।

सरकार वर्ष 2025 में राज्य सरकार द्वारा झारखंड के कलाकारों के लिए विशेष पॉलिसी बनायी जायेगी। उन्होंने कहा कि हमारे राज्य के कलाकार झारखंड की कला-संस्कृति को निरंतर आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। इनके प्रयासों को और मजबूती प्रदान किया जायेगा। उन्होंने कहा कि खेल और कला, संस्कृति के क्षेत्र में झारखंड की पूरे विश्व में अलग पहचान है। खेल के क्षेत्र में बात करें तो हॉकी इंडिया में झारखंड के खिलाड़ियों का अहम योगदान रहा है। देश की महिला हॉकी टीम में

इस राज्य की महिला खिलाड़ियों ने एक अलग मुकाम हासिल की है। धीरे-धीरे समाज के लोग अब हर क्षेत्र में बढ़ रहे हैं आगे: मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापार जगत हो, न्यायपालिका का क्षेत्र हो, डाक्टर-इंजीनियर, आइएएस, आइपीएस की बात करें तो भी इन क्षेत्रों में आदिवासी समाज के गिने-चुने लोग ही अपनी जगह बना पाये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा नहीं है कि हमारे आदिवासी समाज के लोग आगे नहीं बढ़ रहे हैं। अब आदिवासी समाज के नौजवान युवक-युवतियां एवं छात्र-छात्राएं

अलग-अलग क्षेत्र में अपनी पहचान बना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड सिर्फ नदी, पहाड़, पर्वत या खनिज संपदा के लिए ही नहीं जाना जाता है बल्कि यहां एक समृद्ध मानव बल के लिए भी जाना जाता है। अतिथियों ने उठाया सांस्कृतिक कार्यक्रम का लुफ्त: इस अवसर पर मंत्री हफीजुल हसन, सांसद महुआ माजी, विधायक कल्पना सोरेन अनूप सिंह, मंगल कालिंदी, अंबा प्रसाद और भूपण तिरकी समेत राज्य के अधिकारीगण और अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

## प्रधानमंत्री वायनाड लैंडस्लाइड प्रभावित इलाकों में पहुंचे वायनाड आपदा सामान्य नहीं: मोदी

सीएम से पूछा, कितने बच्चों ने परिवार को खोया



**आजाद सिपाही संवाददाता**  
वायनाड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को केरल के वायनाड में लैंडस्लाइड प्रभावित इलाकों के दौरे पर पहुंचे। वह सुबह 11 बजे स्पेशल विमान से कन्नूर एयरपोर्ट पहुंचे। कन्नूर से वह सुबह 11:15 बजे भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टर से वायनाड गये। उन्होंने रास्ते में लैंडस्लाइड प्रभावित चूरलमाला, मुंडक्कई और पुच्चिरोमट्टम गांवों का हवाई सर्वेक्षण किया। मोदी ने वह जगह देखी, जहां से 30 जुलाई को रात तबाही शुरू हुई थी। इसी जगह से इरुवाझिनजी पुड़ा नदी भी शुरू होती है। मोदी का हेलीकॉप्टर वायनाड स्थित कलपेयु में उतरा। वह सबसे पहले जीवोपचय स्कूल वेल्लारमाला गये। इस स्कूल में 582 छात्र थे, जिनमें से 27 लैंडस्लाइड के बाद लापता हैं।

### राहुल ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। नेता प्रतिपक्ष और वायनाड के पूर्व सांसद राहुल गांधी ने वायनाड दौरे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद कहा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि पीएम के वायनाड जाने का फैसला अच्छा है। मुझे भरोसा है कि जब प्रधानमंत्री लैंडस्लाइड से हुई तबाही खुद देखेंगे, तो वह इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित कर देंगे। राहुल संसद में वायनाड हादसे को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग कर चुके हैं।

साथ समीक्षा बैठक भी की। उन्होंने हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वायनाड आपदा सामान्य घटना नहीं है। गौरतलब है कि वायनाड में 29 जुलाई को लैंडस्लाइड हुए थे। इसमें अब तक 400 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। 138 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं।

## केंद्रीय रेल मंत्री ने की वीडियो कांफ्रेंसिंग, दिये निर्देश झारखंड से नेपाल तक आना-जाना होगा आसान

केंद्रीय कैबिनेट ने आठ नयी रेल पहियोजनाओं को दी है मंजूरी झारखंड-बिहार-झारखंड समेत पूर्वांचल के राज्यों को मिलेगा फायदा



**आजाद सिपाही संवाददाता**  
रांची/नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने झारखंड को रेलवे का तोहफा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट की बैठक में नयी रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी गयी। इससे झारखंड-बिहार-झारखंड समेत पूर्वांचल के राज्यों को फायदा मिलेगा। नेपाल से बिहार होते हुए झारखंड तक जाना आसान हो जायेगा। रेल की नयी परियोजनाओं को लेकर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग की। इसमें झारखंड, ओडिशा और बिहार के रेलवे अधिकारी शामिल हुए। रेल मंत्री ने परियोजनाओं का जिक्र करते हुए इसे समय पर पूरा करने का निर्देश दिया। श्री वैष्णव ने कहा कि इन परियोजना को तय लक्ष्य के अनुसार पूरा करें। परियोजनाओं में कोई कठिनाई आने पर सीधे मुझे संपर्क कर सकते हैं। झारखंड की बुरामारा-चाकुलिया रेल परियोजना पर 1639 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके तहत 60 किलोमीटर निर्माण

कार्य किये जायेंगे। वहीं इस प्रोजेक्ट से नॉर्थ बिहार, साउथ बिहार नॉर्थ इस्ट, पश्चिम बंगाल और झारखंड के लोगों को काफी फायदा मिलेगा। इससे ओडिशा और इससे आगे का रास्ता खुलेगा। वीडियो कांफ्रेंसिंग के बाद रांची रेल मंडल के डीआरएम जसमीत बिन्दा ने कहा कि बिहार और झारखंड के लिए यह परियोजना मील का पत्थर साबित होगा। झारखंड से नॉर्थ बिहार जाने वाले यात्रियों को फायदा होगा। उन्होंने बताया कि 2 हजार 549 करोड़ रुपये की लागत से विक्रमशिला कटारिया न्यू लाइन प्रोजेक्ट 26.23 किलोमीटर का निर्माण होगी। पीएम-गतिशक्ति प्लान के तहत सभी परियोजनाओं को वर्ष 2030-31 तक पूरा कर लिया जायेगा।

### जन्मदिन पर सीएम ने शेर की जेल की मुहर वाली तस्वीर

### हेमंत ने जेल में बितायें अनुभवों को किया साझा



**सोशल मीडिया पर किया मातृक पोस्ट**

**आजाद सिपाही संवाददाता**  
रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने 49वें जन्मदिन पर जेल में हाथ प मुहर की तस्वीर शेयर की है। सोशल मीडिया पर इस तस्वीर के साथ उन्होंने अपने जेल में गुजरे साल के अनुभव को साझा किया है। उन्होंने लिखा: आज अपने जन्मदिन के मौके पर बीते एक साल की स्मृति भरे मन में अंकित है। वह है यह कैदी का निशान, जो जेल से रिहा होते वक्त मुझे लगाया गया। यह निशान केवल मेरा नहीं, बल्कि हमारे लोकतंत्र की वर्तमान चुनौतियों का प्रतीक है। हेमंत ने आगे लिखा कि जब एक चुने हुए मुख्यमंत्री को बिना किसी सबूत, बिना कोई शिकायत, बिना कोई अपराध जेल में 150 दिनों तक डाल सकते हैं, तो फिर ये आम आदिवासियों, दलितों, शोषितों के साथ क्या करेंगे। यह मुझे कहने की आवश्यकता नहीं है। इसलिए, आज के दिन में और ज्यादा कृतसंकल्पित हूं।

**USHA MARTIN UNIVERSITY**  
ISO 9001 : 2015 Certified. Member of Association of Indian Universities (AIU)  
Recognized by University Grants Commission (UGC)  
Approved by: PCI | BCI | JNC | AICTE

**The Future Starts Here**

**Admission Open (2024-25)**

- Upto 3 CRORES Worth Scholarships for Meritorious & Deserving Students
- EXCELLENT Internships & Placement Opportunities
- World Class SPORTS FACILITIES

**PROGRAMMES with Super Specialization**

- B.TECH CSE AI & ML Data Science Cyber Security
- B.TECH - Mechanical I) EV Design & Production II) High Rise Building Design
- B.TECH - Civil I) Highway & Mobility Design II) High Rise Building Design
- BBA/MBA Business Intelligence & Data Analytics, Banking, Finance & Insurance
- BCA/MCA Blockchain, Mobile Computing, Cyber Security Data Science

**OUR PLACEMENT ASSOCIATES**

**Ranked NO. 1 UNIVERSITY in Jharkhand by OPEN MAGAZINE**

At Village Narayansoso, Near Angara Block Office, Ranchi-Purullia Highway, Ranchi

Ranchi : +91 9355 564 011  
Patna : +91 9952 923 636

E-mail: admission@umu.ac.in  
Website: www.umu.ac.in





शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	30.1 °C	23.4 °C
सूर्यास्त (आज)	18.25 बजे	
सूर्योदय (कल)	05.22 बजे	

## अपने जन्म दिन पर गृह रक्षकों को सीएम हेमंत सोरेन ने दी बड़ी सौगात गृहरक्षकों को अब रोज 1088 रुपये

गृहरक्षकों को पुलिस कर्मियों के समकक्ष दैनिक कर्तव्य पारिश्रमिक दिये जाने के प्रस्ताव को दी स्वीकृति

### आजाद सिपाही संवाददाता

**रांची।** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जन्म दिवस के अवसर पर गृह रक्षकों को बड़ी सौगात दी है। उन्होंने गृहरक्षकों को पुलिस कर्मियों के समकक्ष दैनिक कर्तव्य पारिश्रमिक दिये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है। इसके तहत गृहरक्षकों को पुलिसकर्मियों के समकक्ष दैनिक कर्तव्य पारिश्रमिक के रूप में एक हजार अठासी रुपये प्रतिदिन की दर से भुगतान किये जाने का प्रस्ताव है। वर्तमान में इन्हें पांच सौ रुपए मात्र प्रतिदिन की दर से भुगतान किया जाता है। वर्तमान में विधि-व्यवस्था के लिए गृहरक्षकों की संख्या 3527 है।

## 49वें जन्मदिन पर पिता शिबू सोरेन से हेमंत ने लिया आशीर्वाद



**रांची (आजाद सिपाही)।** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शनिवार को 49 वर्ष के हो गये। खुशी के इस मौके पर उन्हें बधाइयां देने वालों का तांता लगा रहा। जन्मदिन पर वह मोरहाबादी स्थित पिता शिबू सोरेन के आवास पहुंचे और पांच घूकर आशीर्वाद

## सीएम को जन्मदिन पर पुस्तक भेंट किया संत जेवियर्स कॉलेज के प्राचार्य ने



**रांची (आजाद सिपाही)।** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को उनके जन्मदिन के अवसर पर संत जेवियर्स कॉलेज रांची के प्राचार्य डॉ फ्रदर एन लक्झा, एसजे, कुलसचिव डॉ. फ्रदर प्रभात कनेडी सोरेन और बीएड हेड डॉ फ्रदर फ्लोरेंस पूर्ति ने शनिवार को मिल कर बधाई एवं शतायु होने की शुभकामनाएं दीं। मौके

पर प्राचार्य ने कॉलेज की शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों से अवगत कराया। इस दौरान सीएम को फ्रदर फ्लोरेंस पूर्ति द्वारा संपादित किताब 'रीओरिएंटेशन ऑफ हायर एजुकेशन एज एनविजंड इन एनडपी 2020' और डॉ फ्रदर कनेडी द्वारा लिखित किताब 'लर्न हाउ टू शू मशरूम' भेंट की गयी।

Reg. No.: 344/2008  
**SHAHEED SHEIKH BHIKHARI COLLEGE OF EDUCATION**  
Recognised by NCTE, Bhubaneswar, Affiliated by Ranchi University, Ranchi  
Sutiyambe - Pithoria, Kanke, Ranchi - 834006 (Jharkhand)  
Phone No.: 0651-6572899 | Email: ssbcollegeofeducation@gmail.com | Website: www.ssbce.edu.in

## VACANCY

**ASSISTANT PROFESSOR-01**  
Subject-Economics M.A. in School Subject with 55% & B.Ed. M.Ed. with 55% Marks and NET/Ph.D. in the relevant subject or Education.

**N.B. -** Kindly send your application with self attested Xerox copies of all the relevant documents/testimonials on college address by Speed Post only. Short listed candidates will be called for interview. The college management reserve the right to accept/reject any application without assigning any reason.

Last Date :- **25-08-2024**  
Contact :- 89867 17710  
**(Mr. Tausif Ahmad)**

Sd/  
**Secretary**

## राहुल ने हेमंत सोरेन को जन्मदिन की बधाई दी

**रांची (आजाद सिपाही)।** लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी और कहा कि गठबंधन इंडिया गरीबों, वित्तों और आदिवासियों के हक की लड़ाई लड़ेगा और जीतेगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे ने भी सोरेन को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने पोस्ट में कहा कि हेमंत सोरेन की लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं। इंडिया गठबंधन देश में सामाजिक न्याय, आर्थिक सशक्तीकरण और समावेशी विकास के लिए मिल कर लड़ रहा है।

## झारखंड आदिवासी महोत्सव: कलाओं के माध्यम से आदिवासी जीवन दर्शाने का प्रयास

### आजाद सिपाही संवाददाता

**रांची।** झारखंड आदिवासी महोत्सव 2024 के अवसर पर विभिन्न कलाकारों को प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला। विभिन्न राज्यों से आये चित्रकला और पेंटिंग के कलाकारों ने आदिवासी जीवन दर्शन कराने का अनूठा प्रयास किया। इस अवसर पर संताल परगना की पारंपरिक लोक चित्रकला जादो पटिया देखने को मिला, जो कि जादो समाज के इतिहास, रहस्य-सहन और खान-पान को दर्शाता है। इनमें नेशनल फेलोशिप अवाड़ी नीलम नीरद, अर्पित राज



नीरद, नितार्थ चित्रकार, गणपति चित्रकार, दशरथ चित्रकार, दयानंद चित्रकार, जीयाराम चित्रकार आदि शामिल हैं। कलाकारों को जादो पटिया पेंटिंग के खोजकर्ता डॉ आरके नीरद ने जादो पटिया और पटकर पेंटिंग की जानकारी दी। हजारीबाग जिले के बादम से सोहराई कला की उत्पत्ति मानी जाती है। इसे ब्रांड के रूप में बुल्लू इमाम और उनके परिवार के सदस्यों ने स्थापित करने का काम किया है। अल्का इमाम ने सोहराई कला को



महत्व देते हुए अलग-अलग प्रयोग किये और इस कला को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में लगी हैं। हजारीबाग से आयी अल्का इमाम, बेलनगिनी रोबर्ट मरियम, उषा पन्ना और प्रमीला किरण लकड़ा सोहराई कला के



नाम से जाना जाता है। इसका अर्थ जिस शिकार में महिलाएं शामिल हों। झारखंड राज्य में हर बारह वर्षों में जनी-शिकार के आयोजन की परंपरा रही है। यह परंपरा उरांव जनजाति के गौरवशाली इतिहास को दर्शाती

## राज्यपाल ने हरियाणा-हिमाचल के राज्यपाल से की मुलाकात



**आजाद सिपाही संवाददाता**  
**रांची।** राज्यपाल संतोष गंगवार ने शनिवार को नयी दिल्ली एयरपोर्ट पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख एल मांडविया से शिष्टाचार मुलाकात

## बंगाल में महिला डॉक्टर की हत्या को अन्नपूर्णा देवी ने बताया शर्मनाक



**आजाद सिपाही संवाददाता**  
**रांची।** कोलकाता के प्रमुख सरकारी अस्पताल में एक महिला डॉक्टर के साथ दरिंदगी और हत्या की केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने शर्मनाक बताया। उन्होंने बंगाल में महिलाओं पर अत्याचार, दरिंदगी और हत्या की लगातार बढ़ती घटनाओं को लेकर राज्य की तुणमूल सरकार पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जैसे तो चीख-चीखकर मां, माटी, मानुस की बात करती हैं, लेकिन उनके शासन में महिलाओं की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। कोलकाता के प्रसिद्ध आरजी मेडिकल कॉलेज में परिसर के

और प्रशासन को जल्द से जल्द सभी दोषी को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि वोटे बैंक की राजनीति में दूबी संवेदनहीन तुणमूल सरकार के खिलाफ लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। दो दिनों से राज्य के मेडिकल छात्र, नर्स और आम लोग महिला डॉक्टर को न्याय दिलाने के लिए जगह-जगह सड़कों पर आंदोलन कर रहे हैं, जिसके बाद प्रशासन सक्रिय हुआ है। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि बंगाल में कानून-व्यवस्था की हालत कितनी खराब है।

## यादों का बक्सा किताब शहीदों के बलिदान की कहानी है: संजय सेठ



**आजाद सिपाही संवाददाता**  
**रांची।** बैकर सौरभ रॉय की वीर शहीदों के अभूतपूर्व बलिदान पर पहली किताब यादों का बक्सा का विमोचन किया गया। शनिवार को रांची के माहेश्वरी भवन में इस पुस्तक का विमोचन शक्ति राज्य मंत्री संजय सेठ ने किया। पुस्तक में कारगिल से पुलवामा और लखीसराय से दोंवाड़ा तक आतंकी-नक्सली हमलों में शहीद हुए वीर सपूतों और उनकी यादों से जुड़ी चीजों का मार्मिक विवरण है। संजय सेठ ने शहीदों के बलिदान और उनके परिवार के समर्पण पर किताब लिखने की सराहना की। ऑनलाइन प्लेटफार्म अमेज़न और फ्लिपकार्ड पर उपलब्ध 96 पन्नों की ये किताब लोगों से सराहना बटोर रही है। इस मौके पर विधायक सीपी सिंह, अजय मारु, विहिप के प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत सहित कई गणमान्य मौजूद थे।

## दो द्विदिवसीय श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव 26 और 27 अगस्त को

### आजाद सिपाही संवाददाता

**रांची।** श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति रांची की ओर से अलबर्ट एक्का चौक मेन रोड में 26-27 अगस्त को दो दिवसीय श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जायेगा। वर्तमान में श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति के संरक्षक संजय सेठ, सीपी सिंह, अजय मारु, अध्यक्ष मुकेश कावरा हैं। आयोजन समिति के संरक्षक सह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने बताया कि 26-27 अगस्त को श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति की ओर से अलबर्ट एक्का चौक मेन रोड में श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जायेगा। श्री सेठ ने बताया समिति की ओर से 14 वर्षों से श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मनाया जा रहा है। 26 अगस्त को अपराह्न चार बजे झांकी प्रतियोगिता के साथ महोत्सव का उद्घाटन किया जायेगा। इस उपलक्ष्य पर श्री कृष्ण के बाल रूप की झांकी सहित बाल गोपाल सजाओ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया है। इसमें 10 वर्ष तक



के बच्चे-बच्चियां श्री कृष्ण के विभिन्न रूपों के साथ इस प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगी। बाल गोपाल प्रतियोगिता में बच्चों के बीच प्रथम, द्वितीय पुरस्कार भी दिया जायेगा। 27 अगस्त को संध्या चार बजे से दही-हांडी फोंड प्रतियोगिता सह भजन संध्या का आयोजन होगा। दही हांडी फोंड प्रतियोगिता में पुरुष गोविंदा टीम और महिला गोविंदा टीम भाग ले सकेंगी। प्रतियोगिता का रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। हांडी फोंड प्रतियोगिता का रजिस्ट्रेशन फॉर्म 14 अगस्त

## शिकारी जाल बिछायेगा, दाना डालेगा पर फंसना नहीं: बाउरी

### आजाद सिपाही संवाददाता

**रांची।** नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने हेमंत सोरेन पर तंज कसा है। ट्वीट कर कहा है कि शिकारी आयेगा, जाल बिछायेगा, दाना डालेगा, पर लोभ में आकर फंसना नहीं। उन्होंने सीएम से सवाल करते हुए पूछा है कि 2019 से 2024 इन 5 सालों का हिसाब और आपने जो वादा किया था, उसका जवाब कौन देगा मुख्यमंत्री जी। पूरे राज्य को याद है कि 2019 चुनाव से पूर्व अमर शहीद निर्मल महतो जी के शहादत दिवस पर मुख्यमंत्री जी ने जो वादा किया था कि युवाओं को 5 लाख सरकारी नौकरियां दी जायेंगी, नहीं तो राजनीति से संन्यास ले लेंगे। उसका क्या हुआ। **बेरोजगारी भत्ते का क्या हुआ :** बाउरी ने आगे ट्वीट में लिखा है कि अगर नौकरी नहीं तो बेरोजगारों को महीने का 5000 से 7000 का बेरोजगारी भत्ता, उसका क्या हुआ। इन्होंने गरीब परिवारों से यह वादा किया था कि सरकार बनते ही गरीबों के खातों में



सालाना 72 हजार हजार रुपये दिये जायेंगे, उसका क्या हुआ। सरकार बनते ही सविदा कर्मियों को नियोजित किया जायेगा और स्थायी समाधान यथाशीघ्र निकाला जायेगा, उसका क्या हुआ। मुख्यमंत्री जी ध्यान रहे काठ की हांडी एक बार ही चढ़ती है। 2019 का चुनाव ये टगबंधन ने झूठे वादों पर लड़ा, इस बार यह चुनाव प्रलोभन के सहारे लोगों को ठग कर लड़ने की तैयारी है। झारखंड मुक्ति मोर्चा का 2019 चुनाव का निश्चय पत्र इतिहास में ठगी पत्र के नाम से जाना जायेगा।

## जुडको के संविदा कर्मियों ने वेतन बढ़ाने को लेकर काम ठप रखा

### आजाद सिपाही संवाददाता

**रांची।** जुडको अधिकारियों-कर्मियों की लगातार चौथे दिन की हड़ताल से जुडको से संचालित लगभग सारी योजनाओं का काम प्रभावित हो गया है। शहरी विकास को निरदेशों का भी अनुपालन होना मुश्किल हो गया है। इधर, चौथे दिन जुडको के सभी हड़ताली संविदा कर्मी सुबह शनिवार को ऑफिस पहुंच गये, लेकिन अपने कार्यस्थल पर न बैठ कर सोधे कांफ्रेंस हॉल चले गये और काम ठप रखा। हालांकि न तो सरकार की ओर से और न ही जुडको प्रबंधन की ओर से किसी ने उनसे वार्ता नहीं की। बता दें कि जुडको के कर्मी वेतन-मानदेय वृद्धि की मांग को लेकर काम ठप किये हुए हैं। उनका कहना है कि निगुकि के बाद से ही वेतन वृद्धि नहीं हुई है, शहरी विकास से निराशा का माहौल है।



## इन योजनाओं का काम प्रभावित

हजारीबाग और देवघर सेप्टेज का काम 31 अगस्त तक पूरा करा के इसका उद्घाटन सितंबर तक कराने की योजना है। गुमला-सिमडेगा नगर परिषद में फिस्कल रल्लेज ट्रीटमेंट प्लांट का काम 31 अगस्त तक पूरा कराने का लक्ष्य है। निर्माण ठोस अपशिष्ट प्लांट के काम में तेजी लाने का निर्देश है। शहरी आजीविका मिशन के कार्यों को

30 सितंबर तक कराने का निर्देश दिया गया है। एरिया लेवल फेडरेशन के शत-प्रतिशत लक्ष्य को 30 सितंबर तक पूरा करने को कहा गया है। पीएम आवास योजना शहर के छत तरफ तक बने घरों को 31 अगस्त तक पूरा करने का लक्ष्य है। इसी तरह कांटाटोली फ्लाई ओवर, रवींद्र भवन और प्लासिड नगर योजना का काम भी प्रभावित हो गया है।







## ‘संयमित टिप्पणियां करें जज और वकील’

जस्टिस डीवाइ चंद्रचूड़ 13 मई, 2016 को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बनने के बाद 9 नवंबर, 2022 को भारत के मुख्य न्यायाधीश बने। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ के नाम पर सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान जजों में सर्वाधिक लोक हितकारी फैसले सुनाने और टिप्पणियां करने का रिकार्ड दर्ज है। इनकी मात्र एक सप्ताह में की गयी महत्वपूर्ण टिप्पणियां निम्न में दर्ज हैं : 2 अगस्त को जस्टिस चंद्रचूड़ ने वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्र के रूप में लोक अदालतों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि : लोक अदालतों में लम्बे समय से लटकते आ रहे मामलों का दोनों पक्षों की आपसी सहमति से निपटारा हो जाता है। इसी कारण लोक अदालतें लोकप्रिय हो रही हैं। लोग लम्बी चलने वाली अदालतों कार्रवाई में नष्ट होने वाले समय से इतना तंग आ गए हैं कि वे चाहते हैं कि बस किसी तरह उनकी इस अदालतों कार्रवाई से मुक्ति हो जाये क्योंकि लंबी अदालती प्रक्रिया किसी सजा से कम नहीं है और इसी कारण यह न्यायाधीशों के लिए चिंता का विषय है। लोक अदालत का उद्देश्य लोगों के घरो तक न्याय पहुंचाना और लोगों को यह भरोसा दिलाना है कि हम उनके जीवन में निरंतर मौजूद हैं। आपसी समझौते से हुए फैसले के विरुद्ध कोई अपील भी नहीं की जा सकती। उल्लेखनीय है कि लोक अदालतों में नागरिकों से संबंधित मामलों को पूरी तरह से स्वीच्छक और सहमतिपूर्ण तरीके से दोनों पक्षों की संतुष्टि के अनुसार हल किया जाता है तथा दोनों पक्षों के अदालती खर्च में भी कमी आती है। 6 अगस्त को वकीलों द्वारा न्यायाधीशों पर मामले की शीघ्र सुनवाई के लिए जोर देने के रुझान से नाराज जस्टिस चंद्रचूड़ ने उन पर नाराजगी जताते हुए कहा, कृपया अदालत को निर्देश न दें। आप एक दिन के लिए यहाँ आकर बैठ क्यों नहीं जाते? तब आप अदालत को बताएं कि आप कौन सी तरीक़ चाहते हैं? आप महसूस करेंगे कि अदालत में काम का कितना दबाव होता है। कृपया यहाँ आएं और एक दिन के लिए बैठिए। मैं विस्थापित के साथ कह सकता हूँ कि आप अपनी जान छुड़वा कर भागेंगे। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने जहां वकीलों को उक्त नसीहत दी है वहीं उन्होंने जजों के फैसलों और टिप्पणियों पर भी बेबाक राय व्यक्त की है। पंजाब एवं हरियाणा हाइकोर्ट के न्यायाधीश राजबीर सेहरावत की टिप्पणियां घोर चिंता का विषय हैं। न तो सुप्रीमकोर्ट सर्वोच्च है और न ही हाइकोर्ट। वास्तव में भारत का संविधान सर्वोच्च है। हाइकोर्ट में कार्रवाई के संचालन के लिए ऐसी टिप्पणियां पूरी तरह अनावश्यक थीं।

पंजाब-हरियाणा हाइकोर्ट के न्यायाधीश राजबीर सेहरावत की टिप्पणियां घोर चिंता का विषय हैं। न तो सुप्रीमकोर्ट सर्वोच्च है और न ही हाइकोर्ट। वास्तव में भारत का संविधान सर्वोच्च है। हाइकोर्ट में कार्रवाई के संचालन के लिए ऐसी टिप्पणियां पूरी तरह अनावश्यक थीं।

के लिए जोर देने के रुझान से नाराज जस्टिस चंद्रचूड़ ने उन पर नाराजगी जताते हुए कहा, कृपया अदालत को निर्देश न दें। आप एक दिन के लिए यहाँ आकर बैठ क्यों नहीं जाते? तब आप अदालत को बताएं कि आप कौन सी तरीक़ चाहते हैं? आप महसूस करेंगे कि अदालत में काम का कितना दबाव होता है। कृपया यहाँ आएं और एक दिन के लिए बैठिए। मैं विस्थापित के साथ कह सकता हूँ कि आप अपनी जान छुड़वा कर भागेंगे। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने जहां वकीलों को उक्त नसीहत दी है वहीं उन्होंने जजों के फैसलों और टिप्पणियों पर भी बेबाक राय व्यक्त की है। पंजाब एवं हरियाणा हाइकोर्ट के न्यायाधीश राजबीर सेहरावत की टिप्पणियां घोर चिंता का विषय हैं। न तो सुप्रीमकोर्ट सर्वोच्च है और न ही हाइकोर्ट। वास्तव में भारत का संविधान सर्वोच्च है। हाइकोर्ट में कार्रवाई के संचालन के लिए ऐसी टिप्पणियां पूरी तरह अनावश्यक थीं।

अभिमत

आजाद सिपाही

मौसम विभाग लगभग हर दूसरे दिन तेज बारिश का अनुमान जताता, लेकिन बादल एक जगह कुछ देर बरसते और बाकी इलाकों को सूखा छोड़ जाते। बारिश ने ऐसा तरसाया कि दिल्ली में दस साल की सबसे गर्म जुलाई का रिकॉर्ड बन गया, जब रात का तापमान 27 से 28 डिग्री तक बना रहा। 30 जुलाई को तो दिन का तापमान 40 डिग्री के नजदीक पहुंच गया। फिर, महीने के आखिरी दिन की शाम से बादल ऐसे बरसे कि पूरा दिल्ली एनसीआर पानी-पानी हो गया।

## कुदरत के इस मिजाज को हल्के में न लें

**अक्षय शुक्ला**  
मौसम के पैटर्न में इतनी तेजी से बदलाव हो रहे हैं कि उसका सटीक अनुमान लगाना मुश्किल होता जा रहा है। दिल्ली एनसीआर में पूरी जुलाई इसकी झलक देखने को मिली। निर्धारित समय से पहले मॉनसून छा जाने के बावजूद यह इलाका अच्छी बरसात के लिए तरसता रहा। मौसम विभाग लगभग हर दूसरे दिन तेज बारिश का अनुमान जताता, लेकिन बादल एक जगह कुछ देर बरसते और बाकी इलाकों को सूखा छोड़ जाते।

बारिश ने ऐसा तरसाया कि दिल्ली में दस साल की सबसे गर्म जुलाई का रिकॉर्ड बन गया, जब रात का तापमान 27 से 28 डिग्री तक बना रहा। 30 जुलाई को तो दिन का तापमान 40 डिग्री के नजदीक पहुंच गया। फिर, महीने के आखिरी दिन की शाम से बादल ऐसे बरसे कि पूरा दिल्ली एनसीआर पानी-पानी हो गया। जलमग्न सड़कों पर देर रात तक लोग फंसे रहे, तो कई उफनते नालों में समा गये।

मॉनसून का ऐसा खतरनाक मिजाज देशभर में देखने को मिल रहा है। कहीं तो एक साथ बहुत अधिक मात्रा में पानी बरस कर तबाही मचा रहा है, तो कुछ इलाके अच्छी बरसात के लिए तरस रहे हैं। एक्सपर्ट इसे वैश्विक तापमान में तेजी से बढ़ोतरी का परिणाम बताते हुए चेता रहे हैं कि भविष्य में ऐसा पैटर्न और अधिक देखने



वायनाड में कुछ ऐसा ही हुआ। एक स्थान पर ही इतनी अधिक बारिश हो गयी कि लैंडस्लाइड में कई गांव बह गये, जिनमें तीन सौ से अधिक लोगों की मौत हो गयी, जबकि इससे कहीं अधिक लापता बताए जा रहे हैं। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भी बादल फटने एवं भूस्खलन की घटनाएं हो रही हैं।

को मिलेगा। यही वजह है कि पहले जहां पूरे मॉनसून सीजन में एक समान बरसात देखने को मिलती थी, अब बादल फटने जैसी घटनाएं आम होती जा रही हैं। एक छोटे से इलाके में एकत्र

होकर बादल ऐसे बरस रहे हैं मानों फट पड़े हों। वायनाड में कुछ ऐसा ही हुआ। एक स्थान पर ही इतनी अधिक बारिश हो गयी कि लैंडस्लाइड में कई गांव बह गये, जिनमें तीन सौ

से अधिक लोगों की मौत हो गयी, जबकि इससे कहीं अधिक लापता बताए जा रहे हैं। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भी बादल फटने एवं भूस्खलन की घटनाएं हो रही हैं। पहाड़ों पर जिस तरह से

जलवायु परिवर्तन के असर को लेकर पिछले कुछ वर्षों में जितना भी बोला या लिखा गया, वह सब किसी फिल्म की तरह हमारी आंखों के सामने घटित हो रहा है। अनुमानों के विपरीत यह सब कुछ बहुत जल्द होने लगा है। कुदरत के इस संदेश को अब नहीं तो कब समझेंगे। (डिसक्लेमर : ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।)

## देश-विदेश की खबरें

## कोलकाता के हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप, फिर हत्या

आरोपी 14 दिन की पुलिस कस्टडी में, पांच से पूछताछ

आजाद सिपाही संवाददाता

**कोलकाता।** कोलकाता के सरकारी अस्पताल की महिला डॉक्टर की रेप के बाद हत्या की गयी। शनिवार (10 अगस्त) को आरोपी संजय को 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है। उसे सियालदह कोर्ट में पेश किया गया था। 23 अगस्त को कस्टडी खत्म होगी। पुलिस ने संजय को 9 अगस्त को गिरफ्तार किया था। सामने आया है कि वो अस्पताल का कर्मचारी नहीं है, बाहरी व्यक्ति है, लेकिन उसकी अस्पताल के अलग-अलग विभागों में काफी पहुंच है। पुलिस के मुताबिक संजय की हरकतें संदिग्ध हैं। वह सीधे तौर पर घटना में है। साथ ही पुलिस घटना की रात ट्रेनी डॉक्टर के साथ हॉस्पिटल में मौजूद 5



लोगों से पूछताछ कर रही है।

एडिशनल पुलिस कमिश्नर मुखर्जी धर ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के सेक्शन 103 (1) हत्या और सेक्शन 64 (बलात्कार) के तहत केस दर्ज किया है। यह रेप और हत्या का मामला है। जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनायी है।

दरअसल, कोलकाता के सरकारी अस्पताल (आरजी कर मेडिकल कॉलेज) के सेमिनार हॉल में शुक्रवार (9 अगस्त) को पोस्ट-ग्रेजुएट ट्रेनी महिला डॉक्टर

का अर्धनग्न शव मिला था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि उसकी रेप के बाद हत्या की गयी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आना बाकी है।

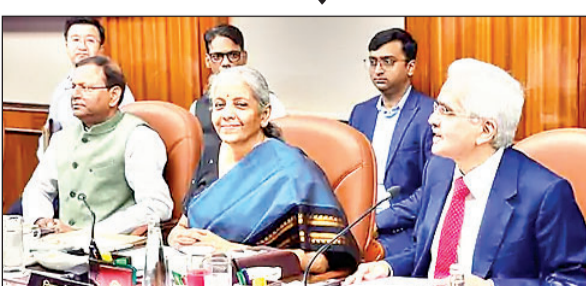
### फांसी की सजा देने की मांग करेंगे : ममता बनर्जी

वहीं, सीएम ममता बनर्जी ने कहा है कि मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में भेजा जायेगा। दोषी को फांसी की सजा देने की मांग करेंगे। सीबीआई जांच से कोई ऐतराज नहीं है।

## सरकारी बैंकों को अभिनव और आकर्षक जमा योजनाएं भी लानी चाहिए : निर्मला सीतारमण

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों से 'कोर बैंकिंग' पर फोकस करने का आग्रह किया है। निर्मला सीतारमण ने 10 (शनिवार) अगस्त को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्टर के साथ पोस्ट-बजट मीटिंग में यह बात कही है। वित्त मंत्री ने कहा कि बैंकों को अपने फंडामेंटल ऑपरेशन पर फोकस करने की आवश्यकता है। सरकार और प्लक लगातार बैंकों से डिपॉजिट कलेक्शन और पैसे उधार के प्रति सहित कोर बैंकिंग पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कह रहे हैं। डिपॉजिट



और लेंडिंग के बीच असंतुलन को दूर करने के लिए सीतारमण ने बैंकों से लोगों से फंड जुटाने के लिए इन्वेंचिव और अट्रैक्टिव डिपॉजिट स्कीम लाने को कहा। बैंकों को अपनी इंटररेस्ट रेट्स तय करने का अधिकार है। मीटिंग को संबोधित करते हुए आरबीआई

गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि बैंकों को अपनी इंटररेस्ट रेट्स तय करने का अधिकार है, क्योंकि डिपॉजिट और लेंडिंग दोनों दरें डी-रेगुलेटेड यानी नियंत्रणमुक्त हैं। 8 अगस्त को आरबीआई गवर्नर ने बाय-मंथली मनिटरी पॉलिसी पेश करते हुए बैंकिंग सेक्टर में

## पांच बच्चे होने के कारण सरपंच को खोना पड़ा पद

**भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)।** कंधमाल जिला दारिंगाबाड़ी ब्लॉक गुमिकिया पंचायत के सरपंच त्रिनाथ प्रधान को अपना पद गंवना पड़ा है। जिलापाल आशीष इश्वर पाटिल ने त्रिनाथ के सरपंच पद को अवैध घोषित कर दिया है क्योंकि उनके 5 बच्चे हैं। त्रिनाथ ने पंचायत अधिनियम का उल्लंघन कर चुनाव जीता था। सुरुलाई गांव के पितर प्रधान ने जिलापाल एवं जिला निर्वाचन अधिकारी से शिकायत की कि उनके 2 से अधिक बच्चे हैं। इसकी जांच के अनुसार आंगनवाड़ी आधार कार्ड आदि सहित जन्म पंजीकरण रिकॉर्ड से पता चला कि त्रिनाथ का पहला बच्चा 1994 में, दूसरा 1998 में, तीसरा 2002 में, चौथा 2006 में और पांचवां 2009 में पैदा हुआ था। गौरतलब है कि 2022 के पंचायत चुनाव में त्रिनाथ झूठे शपथ पत्र पर सरपंच चुने गये थे। 2023 में उन पर आरोप लगे कि उनके 5 बच्चे हैं।

### बांग्लादेश में चीफ जस्टिस का इस्तीफा

**ढाका (आजाद सिपाही)।** बांग्लादेश में 5 अगस्त को शेख हसीना के इस्तीफे के बाद शनिवार को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ओबेदुल हसन ने भी इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शनकारी छात्रों ने शनिवार सुबह सुप्रीम कोर्ट को घेर लिया था। छात्रों ने कहा कि अगर जजों ने इस्तीफे नहीं दिए तो हसीना की तरह उन्हें भी कुर्सी से खींचकर उतार देंगे। प्रदर्शनकारी छात्रों ने आरोप लगाये थे कि सुप्रीम कोर्ट के जज हसीना से मिले हुए हैं। इन जजों ने अंतरिम सरकार से पूछे बिना ही शनिवार को पूरी कोर्ट की एक बैठक बुलाई। इस मीटिंग के चलते प्रदर्शनकारियों ने एक घंटे के भीतर जजों से इस्तीफा देने की मांग की। चीफ जस्टिस के इस्तीफे के बाद 5 और जज अपना पद छोड़ सकते हैं। वहीं प्रदर्शनकारियों ने कहा है कि जब तक सभी 6 जज इस्तीफा नहीं देते, वे सड़कें खाली नहीं करेंगे।

## राष्ट्रपति मुड़जू से मिले भारत के विदेश मंत्री

चीन की बढ़ती चहलकदमी के बीच सुरक्षा संबंधों पर बात एजेंसी

**माले।** भारत के विदेश मंत्री डॉक्टर एस जयशंकर तीन दिवसीय मालदीव दौरे पर हैं। शनिवार को डॉ एस जयशंकर ने मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुड़जू से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान जयशंकर ने दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे दोनों देशों की जनता को फायदा मिलेगा। बीते वर्ष मोहम्मद मुड़जू मालदीव के राष्ट्रपति चुने गए थे। उनके राष्ट्रपति बनने के बाद भारत की तरफ से यह पहली उच्च स्तरीय यात्रा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति मोहम्मद मुड़जू से मुलाकात के बाद गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। मुलाकात के दौरान दोनों देशों के लोगों की भलाई के लिए आपसी संबंधों को मजबूत करने पर भारत



की प्रतिबद्धता जतायी।

**मालदीव से रक्षा मंत्री घासन मौमून से भी की मुलाकात :** इससे पहले डॉ. एस जयशंकर ने मालदीव के रक्षा मंत्री घासन मौमून के साथ मुलाकात की। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर चर्चा की गई। इसके अलावा दोनों देशों ने समुद्री क्षेत्र में शांति और स्थायित्व बरकरार रखने के लिए आपसी हितों को साझा किया गया।

आपको बता दें कि मालदीव में चीन की चहलकदमी बढ़ती जा रही है। बीते वर्ष मोहम्मद मुड़जू के राष्ट्रपति चुने जाने बाद मालदीव और चीन के बीच सैन्य सहयोग बढ़ रहा है। मालदीव के बंदरगाह में चीन के अत्याधुनिक अनुसंधान जहाज को खड़ा किया गया है।

## बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार पर सबके मुंह सिले हुए हैं, उनकी रक्षा हमारा दायित्व है : योगी

आजाद सिपाही संवाददाता

**अयोध्या।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है तो सबके मुंह सिले हुए हैं कोई नहीं बोल रहा है लेकिन हिंदुओं की रक्षा करना हमारा दायित्व है। एक मानव के नाते उसकी रक्षा करना हमारा दायित्व है। उन्होंने सभी विपक्षी पार्टियों को निशाने पर लेते हुए कहा कि ये लोग हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर इसलिए नहीं बोल रहे हैं कि उन्हें पता है कि इससे उन्हें वोट नहीं मिलेगा। सीएम योगी आदित्यनाथ अयोध्या के मिल्कीपुर में जनसभा को संबोधित कर रहे



थे। उन्होंने कहा कि हम हिंदुओं को बचाने के लिए आवाज उठाते रहेंगे। मानवता की रक्षा के लिए आवाज उठाते रहेंगे। जब जब राक्षसी प्रवृत्तियां ताकतवर होंगी हमें एकजुट होना होगा। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम तो राजकुमार थे, चाहते तो अयोध्या में राज करते पर पिता का वचन निभाने के लिए निकल गये,

क्योंकि उन्हें राक्षसों का सर्वनाश करना था।

### अयोध्या को मिली नयी पहचान

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर बनने से भगवान श्रीराम की नगरी को दुनिया भर में पहचान मिली है। दुनिया भर से रामभक्त दर्शन करने

के लिए आ रहे हैं। अयोध्या में इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। विकास हो रहा है। विश्व में अयोध्या की नई पहचान बन रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर एयरपोर्ट से राजकीय वायुयान से महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट अयोध्या पहुंचे। यहां से अयोध्या विद्यापीठ कॉलेज की तरफ गये। मिल्कीपुर में जनसभा के लिए बड़ी संख्या में लोग आए। बारिश के चलते कार्यक्रम स्थल मार्ग पर कीचड़ हो गया। लोगों को लंबी दूरी पैदल तय कर कार्यक्रम स्थल पर आना पड़ा रहा है। फाकिंग काफी दूर होने से लोगों को पेशानी हुई।















# ओड़िशा में छह सहित आठ रेल परियोजनाओं को मिली मंजूरी

## ओड़िशा के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री और रेल मंत्री का आभार व्यक्त किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। मंत्रिमंडलीय समिति ने ओड़िशा में 6 परियोजनाओं सहित कुल 8 रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी। इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 24,657 करोड़ रुपये (लगभग) है। इसमें ओड़िशा में परियोजनाओं के लिए 15,004 करोड़ रुपये शामिल हैं और यह 2030-31 तक पूरी हो जायेगी। इन परियोजनाओं से कनेक्टिविटी में सुधार होगा, यात्रा को आसान बनाया जाएगा, लॉजिस्टिक लागत कम होगी, तेल आयात कम होगा और कार्बन उत्सर्जन कम होगा। प्रस्तावित परियोजनाएं अविकसित क्षेत्रों को जोड़कर और परिवहन नेटवर्क को बढ़ा कर लॉजिस्टिक दक्षता में सुधार करेगी, जिससे आपूर्ति श्रृंखलाएं सुव्यवस्थित होंगी और आर्थिक विकास तेज होगा। इन परियोजनाओं से निर्माण के दौरान



लगभग तीन करोड़ मानव-दिवसों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार पैदा होगा। ओड़िशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने राज्य में छह महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को धन्यवाद दिया। बता दें कि शुक्रवार को आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में रेल मंत्रालय की आठ परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिसकी कुल अनुमानित लागत 24,657 करोड़ रुपये (लगभग)

है। इन आठ परियोजनाओं से सात राज्यों के 14 जिलों में भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में 900 किमी की वृद्धि होगी, जिनमें ओड़िशा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, झारखंड, बिहार, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। इन परियोजनाओं के साथ 64 नये स्टेशन बनाये जायेंगे, जो छह (6) आकांक्षी जिलों (पूर्वी सिंहभूम, भद्राद्री कोटगुडेम, मलकानगिरि, कालाहांडी, नबरंगपुर, रायगड़ा) को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेंगे। लगभग 510 गांवों और लगभग 40 लाख

आबादी को लाभान्वित करेंगे। ओड़िशा में स्वीकृत नयी लाइनें : गुनुपुर-थेरुबली नयी लाइन (73.62 किमी) ओड़िशा के रायगड़ा जिले में 1326 करोड़ की लागत से; जुनागढ़ रोड-नबरंगपुर नयी लाइन (116.21 किमी) कालाहांडी और नबरंगपुर जिले में 3274 करोड़ की लागत से; मलकानगिरि-पांडुरंगपुर (भद्राचलम के माध्यम से) नयी लाइन (173.61 किमी) ओड़िशा के मलकानगिरि जिले में, आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले और तेलंगाना के भद्राद्री कोटगुडेम

जिले में 4109 करोड़ की लागत से; बादामपहर-केदुझरगढ़ नयी लाइन (82.06 किमी) क्वॉंजर और मयूरभंज जिलों में 2107 करोड़ की लागत से; बांगरीपोसी-गोरुमहिसानी नयी लाइन (85.60 किमी) मयूरभंज जिले में 2549 करोड़ की लागत से और बुरामारा-चकुलिया नयी लाइन (59.96 किमी) मयूरभंज में ओड़िशा, झारखंड के पूर्वी सिंहभूम और पश्चिम बंगाल के झारग्राम में 1639 करोड़ की लागत होगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ सांसद (सांसद) नब चरण माझी (मयूरभंज), बलभद्र माझी (नबरंगपुर), अनंत नायक (क्वॉंजर) और मालविका देव (कालाहांडी) भी नयी दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भुवनेश्वर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में शामिल हुए।

# राजस्व मंत्री सुरेश पुजारी ने हीराकुंड जलाशय से लिये गये पानी का बकाया वसूलने का दिया निर्देश

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। संबलपुर हीराकुंड जलाशय से पानी लेने के कारण कई कारखानों के बकाया होने का आरोप है। राजस्व मंत्री सुरेश पुजारी ने कहा कि इसके बाद विभाग को जल कर वसूलने का निर्देश दिया गया है। राजस्व मंत्री ने शनिवार को बुला दौरे के दौरान कहा कि अगर आम किसान जल कर चुका रहे हैं, तो बड़ी कंपनियां जल कर क्यों नहीं दे रही हैं। राजस्व मंत्री ने कहा कि इसके साथ ही वेदांता में अवैध राख (एस) डंपिंग पर भी कार्रवाई की गयी है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण विभाग ने वेदांता पर 72 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है और इसे आगे बढ़ाई नहीं किया जायेगा।



## JAISWAL CCTV

आपके शहर राँची में अपने घर ऑफिस दुकान में लगाएँ

### CCTV कैमरा

कचहरी चौक, राँची

4 कैमरे का सेट अब सिर्फ 14999/-

2 कैमरे का सेट अब सिर्फ 9999/-

अभी कॉल करे 9162992862

स्टेट बैंक के सामने कचहरी चौक, राँची - 834001



युवा आक्रोश रैली योजना सम्मेलन में सांसद दीपक प्रकाश से मुलाकात करते भाजपा नेता सह पूर्व आइजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह।

# सम अल्टिमेट मेडिकेयर में एसएमए एक्यूट श्रॉंबोसिसवाले रोगियों का सफल उपचार

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। सुपीरियर मेसेंटरिक आर्टरी (एसएमए) एक्यूट श्रॉंबोसिस के साथ एक्यूट मेसेंटरिक इस्किमिया से पीड़ित एक 43 वर्षीय व्यक्ति, जो आंत प्रणाली से जुड़ी एक गंभीर स्थिति है। उनका हाल ही में यहां एसएमए अल्टिमेट मेडिकेयर में सफलतापूर्वक इलाज किया गया है। कटक का यह मरीज पेट के निचले हिस्से में तरल पदार्थ जमा होने के साथ सेप्सिस और



सब-एक्यूट आंत्र रुकावट के साथ अस्पताल में आया था। उन्हें अस्पताल के इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी विभाग के एसोसिएट कंसल्टेंट डॉ. संजित कुमार पटनायक के अधीन भर्ती कराया गया था।

डॉ. पटनायक ने कहा कि मरीज को तुरंत आइसोस्यूम ले जाया गया और सीटी एंजियोग्राम जांच के बाद उसके शरीर में एसएमए एक्यूट श्रॉंबोसिस और एक्यूट मेसेंटरिक इस्किमिया का पता

चला। उन्होंने कहा कि सर्जरी के दौरान आंत का 30 से 40 फीसदी हिस्सा नष्ट हो गया था, जबकि बाकी हिस्सा ठीक से काम कर रहा था। डॉ. पटनायक ने कहा कि अगर तत्काल सर्जरी नहीं की जाती तो यह आंत को पूरी तरह से नष्ट कर देता। डॉ. पटनायक ने कहा कि सेप्सिस कम होने के बाद मरीज को आइसोस्यूम से वाई में लाया गया और बाद में अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी।

# शारदा ग्लोबल स्कूल में 'स्टीम' फेस्ट की धूम

नर्सरी से लेकर 12वीं तक के छात्रों ने विभिन्न विषयों पर आधारित प्रोजेक्ट्स एवं मॉडल्स की सहायता से दिखाई अपनी प्रतिभा

सम्पूर्ण शिक्षा एक महत्वपूर्ण एवं वह शक्तिशाली उपकरण है जो हमें ज्ञान, उच्चतम सोच और सकारात्मकता को और बढ़ाता है। 'स्टीम' एक अन्तः विषयक लेकिन एकीकृत दृष्टिकोण है जिसका उद्देश्य छात्र को सम्पूर्ण विकास की ओर निर्देशित करना है तथा उनकी भविष्य के वैज्ञानिक, इंजीनियर, कलाविद, गणितज्ञ और प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तक बनने के लिए प्रशिक्षित करना है। 'स्टीम' शिक्षा सन् 2000 के दशक की शुरुआत से ही मानकीकृत प्राथमिक और माध्यमिक पाठ्यक्रम का हिस्सा रही है। तकनीक और वैज्ञानिक पाठ्यक्रम में कला विषयों को जोड़ने से छात्र वास्तविक दुनिया के लिए तैयार और अधिक



दीप प्रज्वलित करते मुख्य अतिथि राहुल पुरवार (आई-एफएस), मोना पुरवार, आर० के० झा० विद्यालय के डायरेक्टर दीपक बंका, अमृज रंजन, रंजना स्वरूप, जशमित कौर (प्राचार्या) एवं दीपा बंका

अनुकूलनशील बनते हैं। यह रचनात्मक, विस्तृत दृष्टिकोण, भारतीय संस्कृति एवं साहित्य को जानने, समझने एवं जीवन को बहुत नजदीक से देखने के दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना है जो कार्यक्षेत्र पर समस्या समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शारदा ग्लोबल स्कूल अपने छात्रों को उच्च योग्य संकाय एवं अद्यतन उच्च सुविधाएं प्रदान करता है जिसका उद्देश्य छात्रों को ऐसे रूप में तैयार करना है जिनमें वैज्ञानिक ज्ञान एवं कौशल के साथ- जीवन के विविध उतार-चढ़ाव को समझने एवं जीवन की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता विकसित हो सके। विद्यालय के 2400 बच्चों ने 972 प्रोजेक्ट्स एवं मॉडल्स के द्वारा विज्ञान, इंजीनियरिंग, कला, गणित और प्रौद्योगिकी के नए-नए रूप प्रदर्शित किए। जो आगे आने वाले समय के लिए विशिष्ट स्थान रखते हैं। 'स्टीम' फेस्ट में कला के विविध रूपों के साथ ही नृत्य एवं संगीत के माध्यम से छात्र भारत की प्राचीन साहित्य एवं संस्कृति से ही परिचित नहीं होते वरन् वे अपनी प्राचीन आध्यात्मिकता से भी परिचित होते हैं और उनसे अपना जुड़ाव तथा उनके महत्व से भी परिचित होते हैं। सम्पूर्ण शिक्षा प्रत्येक छात्र में चरित्र, क्षमता, ज्ञान, विज्ञान के साथ-साथ करुणा को बढ़ावा देती है। सम्पूर्ण शिक्षा छात्रों के लिए कैरियर के नए द्वार खोलती है। 'स्टीम' अर्थात् सभी विषयों



का ज्ञान छात्रों में गुणात्मक विकास की ओर ले जाते हैं। हमारे भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के शब्दों में - "हमारी शिक्षा व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि छात्र आधुनिक युग की चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम हो सकें।" 'स्टीम' फेस्ट के मुख्य अतिथि श्री राहुल पुरवार (आई-एफएस), प्रिंसिपल सेक्रेटरी हय्यर एण्ड टेक्नीकल एजुकेशन तथा गेस्ट ऑफ ऑनर 'श्रीमती मोना पुरवार तथा शिक्षाविद् श्री आर० के० झा० प्रभारी प्रधानाचार्या देहली पब्लिक स्कूल राँची है। इसके अतिरिक्त स्पेशल इन्वाइट्डी के अन्तर्गत श्री विपुल मुंजाल एवं श्रीमती प्रेरणा मुंजाल तथा श्री प्रणव राय सर, विद्यालय के डायरेक्टर श्री दीपक बंका, श्री अमृज रंजन, विद्यालय की डायरेक्टर एकेडमिक्स डा० (श्रीमती) रंजना स्वरूप, प्राचार्या श्रीमती जसमीत कौर, श्रीमती दीपा बंका, अभिभावकगण एवं शिक्षकगण तथा छात्र उपस्थित थे। छात्रों द्वारा बनाए गए मॉडल्स की अतिथियों ने भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि एक ही छत की नीचे साइंस, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग तथा कला एवं मैथ्स पर आधारित मॉडल्स छात्रों में हरदम कुछ नया करने की प्रेरणा देते रहेंगे। अभिभावकगण ने विद्यालय मैनेजमेंट, शिक्षकों की मेहनत और छात्रों के अथक परिश्रम की प्रशंसा करत हुए कहा कि शारदा ग्लोबल स्कूल अपने छात्रों के जीवन में विविधता के रंग भरता है ताकि छात्र परिवार समाज एवं देश के प्रति अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहकर विद्यालय की छवि ग्लोबल स्तर पर स्थापित कर सकें, क्योंकि समग्र रूप से प्राप्त शिक्षा ही वह नींव जिसपर छात्र अपने भविष्य का निर्माण करते हैं।

